अरज सुनलो बनवारी | by Mukesh Kumar

मेरी भी अरज सुनलो बनवारी
दर तेरे आई एक दुखियारी
मेरी भी अरज सुनलो बनवारी

आस लगाए तेरे दर पे हूँ आई
मेरी सुध लेने आओ कृष्ण कन्हाई
देर क्यों लगाईं प्रभु तुम मेरी बारी
मेरी भी अरज सुनलो बनवारी

तुमने ना प्रभु कुछ अंतर कीना
जिसने जो माँगा तुमने वही दे दीना
तुम हो जगत के पालनहारी
मेरी भी अरज सुनलो बनवारी

तुम ही हो प्रभु भाग्य विधाता
तुमसा नहीं है प्रभु कोई जग दाता
चरणों में तेरे जाएँ बलिहारी
मेरी भी अरज सुनलो बनवारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a4%9c-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%ac%e0%a4%a8%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-mukesh-kumar/